लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 209

24 जून, 2019 को उत्तर के लिए

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड

209. श्री डी. के. सुरेशः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लि॰ (सेल) ट्रैक नवीनीकरण और क्षमता वृद्धि के लिए भारतीय रेलवे की नई रेल की मांग को पूरा करने में असमर्थ है;

(ख) यदि हां, तो विगत तीन वर्षों के दौरान इस संबंध में सेल को प्राप्त मांग सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सेल ने भारतीय रेलवे सहित सभी एजेंसियों को आवश्यक मात्रा में आपूर्ति करने के लिए कदम उठाए हैं; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क) और (ख): वर्ष 2019-20 में भारतीय रेलवे ने ट्रैक नवीनीकरण और क्षमता वृद्धि के लिए लगभग 17 लाख टन रेल की माँग की है। इस माँग में से 13.5 लाख टन रेल की आपूर्ति करने के लिए सेल प्रतिबद्ध है।

वर्ष 2016-17 से भारतीय रेलवे से प्राप्त भारी माँग और सेल द्वारा तद्नुरूपी आपूर्ति का ब्यौरा निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है:

इकाई: हजार टन में

वर्ष	भारतीय रेलवे से प्राप्त भारी माँग	आपूर्ति
2016-17	1005	620
2017-18	1145	874
2018-19	1520*	968**
2019-20	1350	188 (अप्रैल-मई 2019)

* वर्ष 2018-19 के लिए माँग को भारतीय रेलवे द्वारा बाद में नवंबर, 2018 के दौरान कम करके 14 लाख टन कर दिया गया था।

** इसमें 23000 टन की रेलों का क्लोजिंग स्टॉक भी शामिल है जिसे रेलवे द्वारा नहीं उठाया जा सका।

(ग) और (घ): जी हाँ। भिलाई इस्पात संयंत्र ने अपरिष्कृत इस्पात क्षमता को 3.93 एमटीपीए से बढ़ाकर 7.0 एमटीपीए करने के साथ-साथ सेल के अंतर्गत दूसरे एकीकृत इस्पात संयंत्र के साथ मिलकर आधुनिकीकरण और विस्तार योजना (एमओडीईएक्स) शुरू की है। इसमें 1.2 एमटीपीए क्षमता की यूनिवर्सल रेल मिल भी शामिल थी। रेलवे की बढ़ती माँग को पूरा करने के लिए रेलों की विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने के लिए भिलाई इस्पात संयंत्र में "यूनिवर्सल रेल मिल" की स्थापना की गई। यूनिवर्सल रेल मिल (यूआरएम) से उत्पादन नवंबर, 2016 से शुरू हो गया।

****